अनुक्रमांक..................   मुद्रित प्रश्नों की संख्या : 9

नाम..........................

901   **801(EA)**

2026

हिन्दी

समय : तीन घंटे 15 मिनट   **पूर्णांक : 70**

निर्देश-

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R.शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O.M.R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whitener) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड-अ बहुविकल्पीय प्रश्न

प्र०1. एकांकी सम्राट कहा जाता है- 1

(A) मोहन राकेश (B) हरिकृष्ण प्रेमी

(C) राम कुमार वर्मा (D) सेठ गोविन्ददास

प्र०2. हिन्दी का प्रथम उपन्यास है- 1

(A) परीक्षा गुरु (B) गोदान

(C) अलग अलग वैवरणी (D) निर्मला

प्र०3 किशोरी लाल गोस्वामी कहानी है- 1

(A) ममता (B) इन्दुमती

(C) कफन (D) इनमे से कोई नहीं

modelpaper.info

प्र०4 एक अंक के नाटक को क्या कहते है? 1

(A) नाटक (B) पत्रिका

(C) एकांकी (D) कहानी

प्र05 हंस के सम्पादक है- 1

(A) जयशंकर प्रसाद (B) हजारी प्रसाद

(C) प्रेमचन्द (D) दिनकर

प्र०6 रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचना की है? 1

(A) घनानन्द (B) भूषण

(C) बिहारी (D) सेनापति

प्र07. जायसी का पद्मावत किस भाषा में लिखा गया है- 1

(A) अवधी (B) ब्रजभाषा

(C) खड़ी बोली (D) फारसी

प्र०8 साकेत के रचनाकर हैं- 1

(A) जयशंकर प्रसाद (B) दिनकर

(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) भगवतीचरण वर्मा

प्र०9. खड़ीबोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है- 1

(A) पृथ्वी राज रासो (B) पद्मावत

(C) प्रियप्रवास (D) रामचन्द्रिका

प्र010. 'तौलिए' के लेखक है- 1

(A) उपेंद्रनाथ 'अश्क' (B) जयशंकर प्रसाद

(C) भीष्म साहनी (D) कबीर दास

प्र011. छन्द के प्रकार है- 1

(A) वर्णिक (B) मात्रिक

(C) मुक्त (D) उक्त सभी

प्र012 हास्य रस का स्थायी भाव क्या है? 1

(A) हास (B) शोक (C) भय (D) रौद्र

modelpaper.info

प्र013. किस छंद के प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएं होती है- 1

(A) सोरठा (B) रोल (C) चौपाई (D) कोई नहीं

प्र014. उपमा के कितने अंग होते हैं? 1

(A) चार (B) पाँच (C) छः (D) सात

प्र015 कपड़ा का तत्सम् है- 1

(A) वस्त्र (B) कर्पट (C) दुकूल (D) पहनावा

प्र016. त्रिफला का समास विग्रह है- 1

(A) तीन फलो का समूह (B) दो फलों का समूह

(C) अमृत फल का समूह (D) इनमें से कोई नहीं

प्र017 वृक्ष का पर्यायवाची नहीं है- 1

(A) पेड़ (B) विपिन (C) द्रुम (D) विटप

प्र018. सोहन गीत गाता है। रचना की दृष्टि से यह किस प्रकार का वाक्य है? 1

(A) मिश्रित वाक्य (B) संयुक्त वाक्य

(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

प्र019. रीता के द्वारा गया जाता है।किस प्रकार का वाच्य है- 1

(A) कर्तृवाच्य (B) भाववाच्य (C) कर्मवाच्य (D) सभी

प्र020. निम्न में से विकारी पद नही है? 1

(A) पढ़ना (B) काला (C) वह (D) अचानक

खण्ड ब वर्णनात्मक प्रश्न

प्र021.निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्‌वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

modelpaper.info

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो उसका क्या परिणाम होगा? 2

अथवा

(ख) मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निन्दा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्‌गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी तभी होगी, जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए तथा अपने गुणों का विकास करे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) मनुष्य के पतन का क्या कारण है? 2

प्र022. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जगतु जनायौ जिहिं सकलु, सो हरि जान्यो नाँहिं।
ज्यों आँखिनु सबु देखिये, आँखि न देखी जाँहिं ।।
जप, माला, छापा, तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचे वृथा, साँचे राँचे रामु ।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का सदंर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) 'जगतु जनायौ जिहिं सकल में अलंकार है। 2

अथवा

मेरे जीवन का आज मूक तेरी छाया से हो मिलाप,
तन तेरी साधकता छू ले, मन ले करुणा की थाह नाप!
उर में पावस दृग में विहान!

(i) प्रस्तुत गद्यांश का संदर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) कवि के 'उर' में क्या है? 2

modelpaper.info

प्र023. दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 3+2=5

एषा कर्मवीराणां संस्कृतिः "कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः" इति अस्य उद्घोषः। पूर्व कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृतेः नियमः। इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः निरन्तरं कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यम्।

अथवा

इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता। अस्याः घट्टानी वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम्अत्र आयान्ति, अस्थाः घट्टानां च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

प्र024. दिए गए संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 3+2=5

दाक्ष्यमेकपदं धर्म्य दानमेकपदं यशः।
सत्यमेकपदं स्वर्ग्य, शीलमेकपदं सुखम् ।।

अथवा

'कोकिल! यापय दिवसान् तावद् विरसान् करीलविटपेषु।
यावन्मिलदलिमालः कोऽपि रसालः समुल्लसति ।।

प्र025. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन' सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।
(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

modelpaper.info

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर राणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की किसी घटना को संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथा का वर्णन कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए!

(ज) (i) 'कर्मवीर भारत' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र026. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए- 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) डॉ० भगवतशरण उपाध्याय

(iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

ख. दिए गए लेखकों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय और रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 3+2=5

(i) सूरदास (ii) बिहारीलाल (iii) रामनरेश त्रिपाठी

प्र027. अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो लाइनों का श्लोक लिखिए। जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

प्र028. परिवार में आयोजित विवाहोत्सव के कारण विद्यालय के प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु, एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 4

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए।

प्र029. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए। 2

modelpaper.info

(i) श्रीः केन वर्धते?

(ii) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्ता भवति ?

(iii) कविः चातकम् किं शिक्षयति ?

(iv) भारतीया संस्कृतिः कीदृशी वर्तते ?

प्र०3० निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 7

(i) यातायात की समस्याएँ एवं समाधान

(ii) जल-संरक्षण की आवश्यकता और उपाय

(iii) नैतिक शिक्षा का महत्त्व

(iv) मोबाइल फोन के अति प्रयोग से संभावित हानियाँ

(v) किसी खेल का आँखों देखा वर्णन

modelpaper.info